



स्वास्थ्य और जलवायु परिवर्तन पर लैंसेट काउंटडाउन

प्रलिस के लयः

WHO, WMO, Covid-19, जलवायु परिवर्तन, वायु प्रदुषण, हीट एक्सपोजर, COP-27 ।

मेन्स के लयः

स्वास्थ्य और जलवायु परिवर्तन पर लैंसेट काउंटडाउन, पेरसि समझौता ।

चर्चा में क्यों?

हाल ही में स्वास्थ्य और जलवायु परिवर्तन स्वास्थ्य पर लैंसेट काउंटडाउन (The Lancet Countdown on Health and Climate Change) ने 'जीवाश्म ईंधन की नरिभरता' शीर्षक से एक रपिर्ट जारी की, जसिमें दखियाया गया था कविर्ष 2000-2004 से 2017-2021 तक भारत में गर्मी से संबंघति मौतों में 55% की वृद्धा हुई है ।

- यह रपिर्ट इस वर्ष मसिर के शर्म अल शेख में होने वाले संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सममेलन (COP27) से पहले आई है ।
- रपिर्ट [वशिव स्वास्थ्य संगठन \(WHO\)](#) और [वशिव मौसम वजिज्ञान संगठन \(WMO\)](#) सहति 51 संस्थानों के 99 वशिषज्जों के काम का प्रतनिधित्व करती है ।

स्वास्थ्य और जलवायु परिवर्तन रपिर्ट पर लैंसेट काउंटडाउन:

- 'द लैंसेट काउंटडाउन ऑन हेल्थ एंड क्लाइमेट चेंज' का प्रकाशन वार्षिक तौर पर कथिया जाता है, यह एक अंतरराष्ट्रीय और बहु-वशियक सहयोग है, जो मुख्य तौर पर जलवायु परिवर्तन की बढ़ती स्वास्थ्य प्रोफाइल की नगिरानी करता है, साथ ही यह [पेरसि समझौते](#) के तहत वशिव भर में सरकारों द्वारा की गई प्रतबिद्धताओं के अनुपालन का स्वतंत्र मूल्यांकन भी प्रदान करता है ।
- अध्ययन में बताया गया है कविशिव की आबादी का 50% और उत्सर्जन का 70% का प्रतनिधित्व ब्राज़ील, चीन, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, नाइजीरिया, दक्षणि अफ्रीका, यूके और अमेरिका द्वारा कथिया जाता है ।
- लैंसेट काउंटडाउन रपिर्ट 2015 के स्वास्थ्य और जलवायु परिवर्तन पर लैंसेट आयोग के बाद स्थापति की गई थी ।
- यह पाँच प्रमुख डोमेन में 43 संकेतकों को ट्रैक करती है:
 - जलवायु परिवर्तन के प्रभाव, जोखमि और सुभेदयता, स्वास्थ्य के लयि अनुकूलन, योजना एवं लचीलापन; शमन कार्रवाई तथा स्वास्थ्य सह-लाभ, अर्थव्यवस्था वतित व सार्वजनिक और राजनीतिक जुड़ाव ।

रपिर्ट के नषिकर्ष:

- वैश्विक समस्याएँ पैदा करने वाली सब्सडि:
 - कई देशों में जीवाश्म ईंधन की खपत के लयि सब्सडि वैश्विक समस्याएँ पैदा कर रही है, जसिमें वायु की गुणवत्ता में गरिावट, खाद्य उत्पादन में गरिावट और उच्च कार्बन उत्सर्जन से जुड़े संक्रामक रोग का खतरा बढ़ रहा है ।
 - वर्ष 2021 में 80% देशों ने कुल 400 बलियन अमेरिकी डॉलर की जीवाश्म ईंधन सब्सडि के रूप में प्रदान कथि ।
 - वर्ष 2019 में भारत ने जीवाश्म ईंधन सब्सडि पर कुल 34 बलियन अमेरिकी डॉलर खर्च कथि, जो कुल राष्ट्रीय स्वास्थ्य खर्च का 5% है ।
 - भारत में वर्ष 2020 में [जीवाश्म ईंधन प्रदुषकों](#) के संपर्क में आने के कारण 3,30,000 से अधिक लोगों की मृत्यु हुई ।
- आयु समूहों पर बढ़ते तापमान का प्रभाव:
 - वर्ष 1985-2005 की तुलना में वर्ष 2012-2021 तक एक वर्ष से कम उम्र के शशुओं ने प्रतवर्ष औसतन 72 मलियन से अधिक व्यक्तहिटवेव का अनुभव कथि ।
 - भारत में 65 वर्ष से अधिक आयु के वयस्कों ने इसी अवघा के दौरान 301 मलियन अधिक व्यक्तहिटवेव का अनुभव कथि ।
 - वर्ष 2000-2004 से वर्ष 2017-2021 तक भारत में गर्मी से होने वाली मौतों में 55% की वृद्धा हुई ।

- **जीडीपी पर प्रभाव:**
 - 2021 में भारतीयों ने राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद के लगभग 5.4% के बराबर आय के नुकसान के साथ गर्मी के संपर्क में आने के कारण **167.2 बिलियन संभावित श्रम घंटे** खो दिये।
- **डेंगू संचरण:**
 - वर्ष 1951-1960 से वर्ष 2012-2021 तक, एडीज एजपिटी द्वारा डेंगू संचरण के लिये उपयुक्त महीनों की संख्या में 1.69% की वृद्धि हुई, जो प्रत्येक वर्ष 5.6 महीने तक पहुँच गई।

सफ़ाई:

- वायु की गुणवत्ता में सुधार से जीवाश्म ईंधन से निकलने वाले पार्टिकुलेट मैटर के संपर्क में आने से होने वाली मौतों को रोकने में मदद मिलेगी।
- समस्या के समाधान के लिये जलवायु समाधान विकसित करना। जलवायु संकट न केवल ग्रह के स्वास्थ्य के लिये बल्कि हर जगह लोगों के स्वास्थ्य को खतरे में डाल रहा है, इसका कारण है ज़हरीला वायु प्रदूषण, खाद्य सुरक्षा में कमी, संक्रामक रोग के प्रकोप के बढ़ते जोखिम, अत्यधिक गर्मी, सूखा, बाढ़, आदि।
- इसलिये सरकारों को पर्यावरण संरक्षण पर अधिक ध्यान देना चाहिये और अधिक संसाधनों का निवेश करना चाहिये।
- स्वास्थ्य प्रभावों को कम करने के लिये अस्वच्छ ईंधन के उपयोग को जल्द से जल्द कम करने की आवश्यकता है।

वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने हेतु सरकार द्वारा की गई पहलें:

- [‘वायु गुणवत्ता और मौसम पूर्वानुमान तथा अनुसंधान परणाली’ \(SAFAR\)](#)
- [वायु गुणवत्ता सूचकांक](#)
- [दिल्ली के लिये ग्रेडेड रसिपांस एक्शन प्लान](#)
- [BS-VI वाहन](#)
- [इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन \(EVs\)](#)
- [वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिये नया आयोग](#)
- [पराली जलाना कम करने के लिये टर्बो हैपपी सीडर \(THS\) मशीन](#)
- [राष्ट्रीय वायु गुणवत्ता नगिरानी कार्यक्रम](#)
- [राष्ट्रीय सौर मशिन](#)
- [राष्ट्रीय पवन-सौर हाइब्रिड नीति 2018](#)

स्रोत: द हिंदू

PDF Reference URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/the-lancet-countdown-on-health-and-climate-change-1>

